to India on the strength of migration certificates. Those who enter on passports are not displaced persons. The latter portion of part (a) and part (b) of the Question do not, therefore, arise.

Smuggling of Watches

470. Shri Raghunath Singh: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) how many smuggled foreign watches have been recovered during 1957 so far;

(b) how many cases have been launched in this connection; and

(c) how many foreigners and Indians were involved in these smuggling cases?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): (a) Seven thousand six hundred and sixty four smuggled foreign watches were seized by the Customs authorities during 1957 (January to October, 1957).

(b) One hundred and three prosecutions were launched in this conneotion.

(c) Thirty two foreigners and 131 Indians were involved in these smuggling cases.

वैज्ञानिक संस्थायें

४७१. **पंडित द्वा० प्र० ज्योतिषी**: क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री ३० जुलाई, १९५७ के अतारांकित प्रश्न संख्या २७६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रथम पंचवर्षीय योजना काल में सरकारी सहायता-प्राप्त किस-किस वैज्ञानिक संस्था ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किये ;

(ख) वे क्षेत्र कौन से हैं और किस प्रकार के प्रयोग किये गये ;

(ग) वैज्ञानिकों को कौन-कौन से तथ्य उपलब्ध हुये ; और

(घ) इन गवेषणाओं से उपलब्ध तथ्यों को उपयोग में लाने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा उपमंत्री (श्री म० मो० दास) : (क) से (घ). इस सम्बन्ध में सूचना एकत्रित की जा रही है और प्राप्त होते ही सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

उमरेर की खनिज सम्पत्ति

४७२. **पंडित द्वा० प्र० ज्योतिषी**: क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री १७ जुलाई, १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या १०६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उमरेर तहसील की खनिज सम्पत्ति के उपयोग के बारे में बम्बई सरकार से हुई वार्ता का क्या परिणाम निकला ; और

(ख) क्या सरकार का उक्त क्षेत्र में खनन-कार्य आरम्भ कराने के लिये शीघ्र कार्यवाही करने का विचार है ?

खान और तेल मंत्री (श्री केशव देव मालवीय) : (क) तथा (ख). भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने १९५६–५७ में इस क्षेत्र में विस्तृत खोज का कार्य किया । यह कार्य १९५७–५८ के क्षेत्र में काम करने के समय में जारी रखा जायेगा । जब तक कि खोज का कार्य समाप्त नहीं हो जाता, तब तक राज्य सरकार के परामर्श से यह निर्णय करना, कि खनन का कार्य शुरू करना चाहिये या नहीं, सम्भव नहीं है ।